87 वी-स्याः राख्याः / 18(1)/2006

944

एन०ए<mark>र</mark> १ नगरान्याला, प्रमुख स्थित संसर्भन्य साराचा

रोगार्ग

जिलानिकारी देहराजून।

राजस्त विगाग

वेहरातून विनातः 3/ गई. २००६

विषय:—नीती भाणा घाटी कल्याण समिति, देहरादून को जनजाति कल्याण भवन के निर्माण हेतु तहसील देहरादून के ग्राम आगवाला तरला के खरारा नंठ 91४ रक्या 0.3540 हैं। भूमि निःशुल्क हरतान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय

्र प्रश्नित विशेशक अपने पत्र सस्या अत्र / १२ए ५० (२००५ ०६) िन्छक २ ५० २००६ के स्वरंध में पूर्व अत किया हुआ है कि जी संजयान पत्रक की ती माणा आही केन्सण स्वाति देहराहून की जन्मती केन्सण स्वति देहराहून की जन्मती केन्सण स्वति देहराहून की जन्मती केन्सण पत्र के निर्मण हिंद कि जिस्सान (३०००भारान) की भारानादेश संख्या 558 / 16(1) / 73 रहा 1 दिनाक 9 गई, १९६४ तथा भारानादेश संख्या 1695 / 97 1 1(60) / 93 सा 1 दिनाक 12-9-97 में दिने गो प्रतिवानों में शिथिलता प्रदान करते दूधे तहरील देहराहून की प्राप्त आमतिला तरहा। की खरारा न0-914 रक्तवा 0 3540 हैं0 भूमें निम्निसिसिस भारों के अधीत निःशुल्क पहेंटे पर आवंदित करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं –

(1) प्रश्नेगत भूमि का समयोग खरी कार्य विशेष के लिए किया जासेमा जिसके लिए

(2) प्रथमित भूमि किसी व्यक्ति व संस्थान मा समस्य को पेचने/पहुरे पर देन अथवा किसी अन्य प्रकार से हरतास्त्रित करने का अधिकारी प्रदेशियर को नहीं होगा। भूमि का तप्रधाम आवत्य के दिनाक में 03 (तीन) को की अवधि में भूमें कर कीना अधिवार्य होगा, अन्यत्म आवत्य रक्त निरुद्ध रामका जासेगा।

(3) प्रश्नित भूमि पहुँदेवार को संजरन विभाग के 1-मन मणावीन संस्कारी सामाद्रा के अंक्स से अनिवेदन भारानारेश संख्या 150/1/85(24) से 6 दिनक के अंक्सिन पहुँदे 1987 में विवेद पाविचानों के अन्तरीत मननेमन मन्दरा एक अंक्स के अं

120%

पश्चमंत्रा मुक्ति क्षी वात्रश्यकत्ता करतेत्त्वर को न यह जागंभी तो भूमि निर्माण ( Structure ) साहत एकारव विवास को नापस हो जासंसी, जिसक दिए की कोई प्रतिकर आदि देश न होगा।

वादि भूमि/भवन का परिस्ताम कर दिया गया का अधना यदि समिति का विघटन हो मंगा हो, तो भूमि/भवन रंगल सहित राज्य सरकार में समा भार) स

पुनत निहित्त हो जाहोगी।

आवंदन की अवधि समाप्त होने अथवा सपरोवत शर्ता विन्तु संख्या 1 रो 5 तक में हो विसी भी अर्त का उल्लंधन होने की रिश्वित में प्रश्नमत भूमि परा निर्माण पहिल राजरव विभाग में चिहित हो जायेगी, जिसके लिए कोई प्रतिकर देश की संगा।

चयत आहेशी को तकाल कियानामन सुनिधिका करान को कहा कहा

मत्तरीय -

(i-missin-trassard) प्रमुख सम्बन्ध

रांख्या एवं सद्दिः तंत्रा

प्रतिनिधि निम्बलिखित को सूबनार्थ एवं आवश्यक कार्यवादी हेतु प्रेपित.

मुख्य राजस्य आयुक्ता सतरायल, देहरादून। 1-

2-आयुवत, महनाल मण्डल, पाँडी।

3 श्री बीठपीठएस्ववणाल, अध्यक्ष नीतीमाणा घाटी कल्याण समिति, 12 कोर्ट रोस, देखराद्रच

िनेशक् एन०आई०सी० सत्तारांचला

चीचित् रामाण सल्पान् अस्तरान्ति शासन्। 6-

गडिमाईला

Valley VI. अपर अविवा 3